

# नौतपा शुरु, फलोदी में 50, बीकानेर में 48, पाली में 47 डिग्री पहुंचा पारा

## भीषण गर्मी ने आम आदमी को झकझोरा, पशु-पक्षी बेहाल, अस्पतालों में मरीज बढ़े

जोधपुर, बीकानेर, (कासं)। प्रदेश सहित पूरा मारवाड़ भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले दस दिनों से लगातार पारा चढ़ता जा रहा है। पांच दिनों से पारा 45 डिग्री से पार चल रहा है। शुक्रवार को पारा 47.6 डिग्री को पार कर गया। इधर शनिवार से नौतपा लगने से नौ दिन तक सूर्यदेव और रौद्र रूप दिखा सकते हैं। वहीं बीकानेर में शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। फलोदी रहा सबसे गर्म स्थल।

वहीं फलोदी शहर देश का सबसे गर्म शहर रहा। फलोदी में शनिवार को तापमान 50 डिग्री दर्ज किया गया। गर्मी के मौसम में इस बार आग बरसाती तेज गर्मी व तपशि ने सारे

रिक्तों तोड़ दिये। शनिवार को प्रदेश में फलोदी शहर में गर्मी का प्रकोप तेज देखा गया। तेज गर्मी के चलते दिनभर गर्म हवा के साथ लू की लपेट चलती रही। जिससे सड़कें सुनी नजर आईं। फलोदी में सर्वाधिक 50 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

जोधपुर में भीषण गर्मी ने आम आदमी के साथ पशु-पक्षियों को झकझोर कर रख दिया है। दिन तो दिन रात में भी चैन नसीब नहीं हो रहा है। शनिवार को सूर्यदेव का चंद्र के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश होने के साथ नौ तपा लग गया है। ऐसे में अब सूर्य की किरणें सीधी तौर पर धरती से टकराएंगीं। जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ने के प्रबल आसार बने हैं। मौसम विभाग ने आगामी चार पांच-दिनों तक गर्मी के तेवर इसी तरह बने रहने की चेतावनी

शनिवार को सूर्यदेव का चंद्र के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश होने के साथ नौतपा शुरु जाहिर की है। भीषण गर्मी के बीच हीट स्ट्रोक के मरीज भी बढ़ गए हैं। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित काफी लोग रोजाना पहुंच रहे हैं। मुख्य चिकित्सालयों में हालांकि गर्मी से निपटने के जतन युद्ध स्तर पर हैं मगर वे भी बेपरवाह साबित हो रहे हैं। अस्पतालों में पंखे कूलर तक खराब होने से मरीजों को बेजा समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

भीषण गर्मी को देखते हुए संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने बताया कि जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर बालोतरा में पारा 48 पार चल रहा है। फलोदी में पारा 50 डिग्री हो गया है। जैसलमेर-बाड़मेर में भी 48 हो रहा है। संभागा के जिला अस्पतालों में सारी सुविधाएं कर रखी हैं। दवाइयों की भी व्यवस्था कर रखी है। संभागीय आयुक्त ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में छाया पानी की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत के माध्यम से पानी छाया की व्यवस्था की गई है। बालोतरा के नाहटा अस्पताल में भी दस बेड की व्यवस्था की गई है। सुबह के समय में काम करने वाले श्रमिक साढ़े दस बजे तक काम खत्म कर जा सकते हैं। उनके द्वारा जिला अस्पतालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची गई हैं।

इधर भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे अस्पताल अलर्ट मोड पर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी के साथ लू की आशंका के मद्देनजर रेलवे अस्पताल में रेलकर्मचारियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए विशेष बंदोबस्त किए गए हैं। तापमापी के निरंतर चढ़ते पारे को देखते हुए रेलवे अस्पताल में गर्मी अथवा हीटवेव के आने वाले रोगियों लिए विभिन्न एसी वाडों में कुल 16 बेड रिजर्व रखने, ऐसे रोगियों के उपचार में काम आने वाली आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ आवश्यक जांच उपकरणों की क्रियाशीलता व आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इधर भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे अस्पताल अलर्ट मोड पर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी के साथ लू की आशंका के मद्देनजर रेलवे अस्पताल में रेलकर्मचारियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए विशेष बंदोबस्त किए गए हैं। तापमापी के निरंतर चढ़ते पारे को देखते हुए रेलवे अस्पताल में गर्मी अथवा हीटवेव के आने वाले रोगियों लिए विभिन्न एसी वाडों में कुल 16 बेड रिजर्व रखने, ऐसे रोगियों के उपचार में काम आने वाली आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ आवश्यक जांच उपकरणों की क्रियाशीलता व आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

# बरसात होने से गर्मी से लोगों को राहत मिली

## एक माह से तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा है



निवाड़ में बरसात होने के बाद सड़कों पर पानी भर गया।

निवाड़/चाकसू, (निंसां)। शनिवार की शाम अचानक हुई बरसात से भीषण गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। करीब एक माह से भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। एक माह से लगातार तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा है। जिसकी वजह से घरों में लगे हुए पंपों व कुलार पंखे भी फेल हो गए हैं।

सुबह से दोपहर तक भीषण गर्मी पड़ी लेकिन दोपहर बाद अचानक आकाश में बादल छा गए और शाम को करीब 6 बजे अचानक बूंदबांदी शुरू हो गई। कुछ ही देर में बूंदबांदी तेज

बारिश में बदल गई और सड़कों पर पानी बहने लगा। तेज बरसात का दौर करीब 10 मिनट तक चला जिससे कुछ समय के लिए लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। तेज बारिश थमने के बाद करीब 15 मिनट तक बूंदबांदी होती रही। इसी प्रकार गांव गुंसी में शनिवार को दोपहर बाद तेज आंधी चली। इसके बाद बूंदबांदी शुरू हो गई जो कुछ देर के लिए लगातार चलती रही। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

चाकसू में नौतपा में तेज हवा के साथ बारिश हुई :- चाकसू में शनिवार को नौतपा के साथ ही शाम को कस्बे में तेज हवा के साथ बारिश हुई। थोड़ी देर हुई बारिश से बिजली की आंध मिचोली शुरू हो गई जिससे भीषण गर्मी लोगों को भारी उमस का सामना करना पड़ा। ऐसे में लोग बिना कार्य के घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। तेज धूप होने के कारण बाजार में लोगों की चहल पहल काफी कम रही। शाम को सूर्य अस्त होने के बाद ही हवा चलने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बूंदबांदी बारिश के बाद कुछ तापमान में कमी हुई।

## पाली में पारा बढ़ने से लोग बेहाल

पाली, (निंसां)। जेट माह के चलते गर्मी के तेवर और तीखे हो रहे हैं। सुबह नौ बजे ही सूर्य देव प्रचंड रूप ले लेते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार नौतपा शुरु हो रहा है, जिसमें 47 डिग्री से 50 डिग्री तक पारा चढ़ेगा। ऐसे में घर से बाहर नहीं निकले मुंह और सिर पर गिला कपड़ा बांधकर रहें। तापक्रम 45 से 47 डिग्री पहुंच गया। नौतपा के चलते 9 दिन तक भयंकर गर्मी पड़ेगी। ऐसे में शहरवासी अपना शरीर का मुंह डक बाहर निकाल रहे हैं, पानी का ज्यादा उपयोग करें। शीतल पर मिलक रोज, आमरस, लस्सी पी कर प्यास बुझा रहे हैं। ऐसे में बार-बार बिजली की कटौती भारी पड़ रही है। अभी गर्मी से छुटकारा मिलने वाला नहीं है। चिकित्सकों के अनुसार बिना कार्य धूप में नहीं निकले।

# बीकानेर में तापमान बढ़ने से गर्मी के तेवर तीखे रहे

## नगर निगम ने गर्मी को देखते हुए दोपहर में सड़कों पर पानी का छिड़काव किया

बीकानेर, (निंसां)। बीकानेर में शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान में तो एक डिग्री सेल्सियस की कमी आई थी, लेकिन न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हो गई।

कई दिनों से चल रही लू एवं तेज धूप का असर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भीषण तपिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, नगर निगम गर्मी को देखते हुए दोपहर के समय सड़कों पर पानी का छिड़काव कराया रहा है, लेकिन यह कारगर साबित नहीं हो पा रहा है।

शुक्रवार को भी मौसम में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। हमेशा की तरह दिन निकलने के साथ ही गर्मी के तेवर तीखे रहे। सूर्य अंगारे बरसाता नजर आया। नतीजे में लू भी पीछे नहीं रही और प्रचंड वेग से जनजीवन को प्रभावित किया। हालांकि गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन तेज धूप एवं लू के सामने इसका कोई असर नजर नहीं आया।

मौसम विभाग के अनुसार 25 मई से नौतपा भी अपने रौद्र रूप में सामने आया। इस दौरान तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रह सकता है। अब तक अधिकतम तापमान 46 डिग्री पार कर चुका है। तेज गर्मी की

वजह से बिजली की टिपिंग भी तेज होने लगी है। इससे एसी एवं कूलर चलने में भी मुश्किल होने लगी है। शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान में तो एक डिग्री सेल्सियस की कमी आई थी, लेकिन न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हो गई। न्यूनतम तापमान एक दिन पहले 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो एक दिन बाद रात 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बढ़ते तापमान की वजह से दोपहर के समय जरूरी काम वाले लोग भी बाहर निकल रहे हैं।

## भीषण गर्मी से 2 युवकों की मौत

मदनगंज-किशनगढ़, (निंसां)। किशनगढ़ में भीषण गर्मी का कहर जारी रहा। गर्मी से ट्रक ड्राइवर व पावरलूम श्रमिक की मौत हो गई। तेज गर्मी और लू लगने से ट्रक ड्राइवर कोटडी, भीलवाड़ा निवासी 49 वर्षीय किशन जैणवल की मृत्यु हो गई। अस्पताल के चिकित्सकों ने इसकी जान बचाने के लिए सार्थक प्रयास किये, किंतु प्रयास विफल हो गये। प्रचंड गर्मी की चपेट में आने से पावरलूम मजदूर बृजबिहार कॉलोनी निवासी राजेश सिंह ने जेएलएन अस्पताल अजमेर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके अलावा मदनगंज गौशाला के पास रेल्वे ट्रेक पर ट्रेन की चपेट में आने से बिहार निवासी 35 वर्षीय कन्हैया गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मार्बल सिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

# भूमि विवाद की पुरानी रंजिश में युवक की हत्या

## सिंचाई का बहाना कर बुलवाया और हत्या कर दी

हनुमानगढ़, (निंसां)। भूमि विवाद की पुरानी रंजिश में युवक की हत्या को लेकर सदर थाने में तीन जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। युवक का शव चक 21 एलएलडब्ल्यू, जंदावाली में मिला। उसे खेत में पानी लगाने का बहाना कर घटना स्थल पर बुलाया गया था। पुलिस ने मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर तीन जनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार लालचंद लुहार पुत्र कानाराम लुहार निवासी बार्ड 59, सुरेशिया, जंक्शन ने रिपोर्ट दी कि वह अपने परिवार के साथ दिहाड़ी-मजदूरी कर गुजर बसर करता है। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे बग्गी नामक व्यक्ति उसके

पुत्र श्यामसुन्दर (25) को बुलाने आया। वह बातचीत कर पुत्र को अपने साथ ले गया। जाने से पहले श्यामसुन्दर ने बताया कि उसे खुशीराम, अंग्रेज, महेशी आदि अपने खेत चक 21 एलएलडब्ल्यू, जंदावाली में पानी लगाने के लिए बुला रहे हैं। इसके बाद वह अपने साथ सीताराम व मांडिया को लेकर अपनी बाइक पर सवार होकर खेत में पानी लगाने के लिए चला गया। मगर वह रात्रि को घर नहीं आया। सुबह उसे पता चला कि उसके पुत्र की हत्या कर दी गई है। इस सूचना पर वह टाउन स्थित राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचा तो श्यामसुन्दर का शव मोर्ची कक्ष में पड़ा था।

मृतक के पिता लालचंद ने आरोप लगाया कि खुशीराम, अंग्रेज, महेशी आदि ने साजिश रचकर उसके पुत्र की हत्या की है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर हत्या के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज किया है। भूमि विवाद को लेकर हत्या करने की बात सामने आई है। दोनों पक्षों में काफी समय से जमीन का विवाद चल रहा है। पुलिस हत्या के कारणों की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मामले की जांच सदर थाना प्रभारी एसआई लाल बहादुर कर रहे हैं। जिला अस्पताल में मृतक का मेडिकल बोर्ड है। पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक के शरीर पर छेद आदि लगे हुए मिले। इसके अलावा चोटों के निशान भी पाए गए। सिर में भी गंभीर चोट पाई गई।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के मेनार गांव में बड़ी संख्या में चमगादड़ों के मरने की सूचना मिलने पर पशुपालन एवं वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। संयुक्त निदेशक डॉ. शरद अरोड़ा ने बताया कि पशुपालन विभाग के डॉ. नवीनी शर्मा एवं प्रभारी पशु चिकित्सालय मोदी मय स्टाफ एवं थॉडर के क्षेत्रीय वन अधिकारी कैलाश मेनारिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार्यवाही प्रारंभ की। कैलाश ने बताया कि दो दिनों में लगभग 500 चमगादड़ों की मृत्यु हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. अरोड़ा ने क्षेत्रीय पशु रोग निदान केंद्र उदयपुर के उपनिदेशक डॉ. लज्जाराम मीणा एवं वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर भेजकर मृत्यु का कारण पता करने के निर्देश दिए। प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण हीट स्ट्रोक पाया

का कारण हीट स्ट्रोक होना पाया गया। परन्तु एक साथ बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मृत्यु होने से चार चमगादड़ों का सैम्पल राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान भोपाल को भिजवा दिया गया है। पशुपालन विभाग डॉ. नवीनी शर्मा के नेतृत्व एक टीम का गठन किया गया एवं यह टीम घटनास्थल पर रहकर आगे की कार्यवाही करेगी। वन विभाग के उप वन संरक्षक अजय चितौड़ा ने मौके पहुंचकर आवश्यक जानकारी ली एवं उचित दिशा-निर्देश प्रदान किये। मृत चमगादड़ों की वैज्ञानिक विधि से दफना दिया गया है।

मनार गांव की घटना, मृत्यु का कारण प्रथम दृष्टया हीट स्ट्रोक पाया का कारण हीट स्ट्रोक होना पाया गया। परन्तु एक साथ बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मृत्यु होने से चार चमगादड़ों का सैम्पल राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान भोपाल को भिजवा दिया गया है। पशुपालन विभाग डॉ. नवीनी शर्मा के नेतृत्व एक टीम का गठन किया गया एवं यह टीम घटनास्थल पर रहकर आगे की कार्यवाही करेगी। वन विभाग के उप वन संरक्षक अजय चितौड़ा ने मौके पहुंचकर आवश्यक जानकारी ली एवं उचित दिशा-निर्देश प्रदान किये। मृत चमगादड़ों की वैज्ञानिक विधि से दफना दिया गया है।

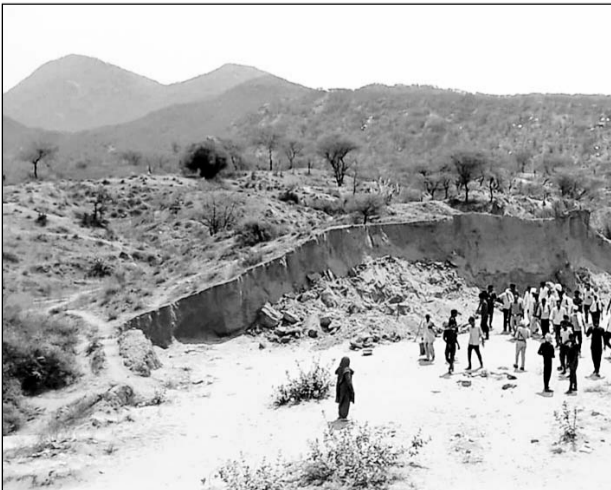
## दुर्लभ प्रजाति का पहाड़ी उल्लू रेगिस्तान में बेहाल मिला

बीकानेर, (निंसां)। वन विभाग की छत्तरगढ़ रेंज में एक दुर्लभ प्रजाति के उल्लू को घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया है। यह इंडियन स्कोप्सऑउल प्रजाति का उल्लू है जो पहाड़ों के निचले इलाकों तथा हिमालय में 2200 मीटर तक की ऊंचाई तक देखने को मिलता है। भारत के साथ नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका तथा ईरान में बहुत कम संख्या में यह उल्लू बचे हैं। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट तथा वन अधिकारी योगेन्द्र सिंह राठोड़ ने बताया कि इस उल्लू के दो मांफ होते हैं भूरा तथा रूफसा इसके सिर के दोनों तरफ कलंगीनुमा गुच्छे तथा चेहरे पर गहरी पंखों की डिस्क से पहचान होती है। इस उल्लू को कोओं ने घायल कर दिया गया था। जिसे वन मंडल छत्तरगढ़ में रेस्क्यू किया गया। यह उल्लू रात्रि समय में मंडक जैसी आवाज निकालता है। अत्यधिक शर्मिला होने से दिन में देखना दुर्लभ है। अधविश्वार्यों के चलते लोग इसका शिकार भी करते हैं। सामान्यतः रेगिस्तान वनस्पतियों खेतों में बगीचों तथा घनी पत्ते वाले पेड़ों के झुंड में रहना पसंद करता है। इस उल्लू का रंग रूप इस प्रकार का होता है कि यह पेड़ों तथा वनस्पतियों के बीच आसानी से दिखाने नहीं देता है। यह एक मांसाहारी जीव है जो मुख्यतः कीड़े मकोड़े टिट्टे, कीट-पतंगे, तितलियां, छोटी चिड़ियां, छिपकली, चूहे आदि खाता है।

# काम करने के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से कई मजदूर दबे, एक मनरेगा श्रमिक की मौत

## मनरेगा कार्यों के दौरान मिट्टी का ढावा (टीला) गिर जाने से सात-आठ मजदूर दब गए थे, मौके पर 65 मजदूर काम कर रहे थे

पाटन, (निंसां)। डाबला थानांतर्गत ग्राम पंचायत बिहार में चल रहे मनरेगा कार्यों के दौरान मिट्टी का ढावा (टीला) गिर जाने से सात-आठ मजदूर दब गए, जिसमें सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, परंतु बुधराम यादव (75) पुत्र सावंत राम यादव निवासी शिमली बिहार की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हालांकि मृतक बुधराम यादव की उम्र आधार कार्ड के अनुसार 60 वर्ष है परंतु परिवार के लोगों ने बताया कि वास्तविक उम्र 75 साल से अधिक है।



घटना की जानकारी मिलते ही लोग घटनास्थल पर पहुंचे और दबे हुए श्रमिकों को बाहर निकाला।

बुधराम यादव ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाद में मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। घटनास्थल पर पहुंचे

अधिकारी :- ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण कुमार मीणा ने बताया कि बिहार ग्राम पंचायत में मनरेगा का कार्य चल रहा था, जिसमें 65 श्रमिक कार्य पर लगे हुए थे। मौके पर श्रमिकों के लिए मेडिकल की व्यवस्था, ठंडे पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से लगी हुई थी। अचानक मिट्टी का ढावा टूटकर गिर

मृतक की उम्र आधार कार्ड के अनुसार 60 वर्ष है परंतु परिवार के लोगों ने बताया कि वास्तविक उम्र 75 साल से अधिक है

अलवर, (निंसां)। प्रधानमंत्री की जल जीवन योजना अलवर जिले के जलदाय विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों के लिए लूट का बाजार साबित हो रही है। जिले में अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित इस योजना में भारी गोलमाल किया गया है। टंकी से लेकर पाइप तक में घटिया सामग्री का उपयोग हुआ है। योजना के अंतर्गत काटे गए बोरिंग पांच से छह सौ फीट तक खोदे गए हैं जिसके कारण योजना पूर्ण होने से पहले ही अनेकों बोरिंग सूख चुके हैं।

अलवर ग्रामीण विधानसभा की ढाकपुरी पंचायत समिति के पीला ढावा ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर आरोप लगाया है कि इस योजना को पूरा कर दिया गया है लेकिन यहां पेयजल सप्लाई नहीं हो पा रही है जिस कारण लोगों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत बनी टंकी में दरारें हैं जिस कारण इसे भरा नहीं जा रहा है, घटिया पाइप डाले गए हैं। यही नहीं यहां लगे बोरिंग ने भी एक साल में ही पानी उठाना बंद कर दिया है क्योंकि यह बोर उचित गहराई तक नहीं किए गये हैं और इमें मीलों लगी टंकी भी कम पावर की है। ग्रामीणों ने ठेकेदार



ढाकपुरी पंचायत समिति के पीला ढावा के ग्रामीणों प्रदर्शन किया।

पर आरोप भी लगाया है कि उन्होंने पाईप डालने के लिए खोदी सड़क को अभी तक नहीं भरा है जिससे हर समय दुर्घटना का भय बना रहता है।

सुनीता राजेश यादव-सरपंच ढाकपुरी का कहना है कि विभाग ने और ठेकेदार ने अभी तक इस योजना को ग्राम पंचायत की वीड्यूएससी समिति को सुपुर्द नहीं किया है और इसमें अनेकों खामियां हैं जिसके लिए अनेकों बार अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। गर्मियों के मौसम में

ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। दिव्यांक त्यागी एक्सईएन पीएचडी का कहना है कि हमने योजना को पूरा कर दिया है पिछले एक साल से गांव में पानी की सप्लाई की जा रही है। ग्राम पंचायत की वीड्यूएससी समिति इसका चार्ज ले नहीं रही है। ग्रामीण मनमर्जी से पानी चलाते हैं। गर्मी में बोर में पानी की समस्या आ गई होगी अगर ठेकेदार के कार्य में कोई कमी है तो उसे पूरा करवाया जाएगा एवं इसकी जांच कराई जाएगी।

## किशोरी ने फांसी लगाई

भीलवाड़ा, (निंसां)। शहर के पुर थाना क्षेत्र में कक्षा 9 में पढ़ने वाली एक किशोरी ने बीमारी के चलते पेपर नहीं दे पाने पर आहत होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुर थाना हेड कॉस्टेबल कन्हाराम ने बताया कि आठून गांव में रहने वाले पंचायत समिति सदस्य नंदलाल माली की पौत्री लीला माली कक्षा 9 की छात्रा थी, पेपर के दौरान वो बीमारी के चलते परीक्षा नहीं दे पाई थी, जिसके कारण विगत कुछ दिनों से वो परेशान चल रही थी। डिप्रेशन

बीमारी के चलते पेपर नहीं दिया था के चलते उसने आज अपने ही कमरे में साफ़ी का फंदा बना के फांसी लगा ली। गांव के सरपंच लादुलाल जाट की सूचना पर पुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में शव को फंदे से उतार कर एमजी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां किशोरी के शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

**कृषि अनुसंधान केंद्र**  
(महत्वाकांक्षी प्रताप कृषि एवं प्रायोगिक विधेयविद्यालय)  
दाहोद रोड, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा (राज.) 327001  
फोन: 812207969, 9414389929 | Mail ID: zdr\_ars@yahoo.com. Visit us: www.pmpual.ac.in  
क्रमांक: एफ ( )/कृअ/मॉटर/2024/2644-51 दिनांक 25.05.2024

**आम फलों की नीलामी**  
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस केंद्र के बोरवट फार्म एवं फल अनुसंधान केंद्र, जलदाय विभाग के पिछे, बांसवाड़ा पर लगभग 329 (259 पेड़ बोरवट फार्म के एवं 70 पेड़ फल अनुसंधान केंद्र) आम के फलित पेड़ों (दशहरी, कसर, लगड़ा, मल्लिका, आश्रपाली, बोम्बे ग्रीन, चांसा एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दि. 08/06/2024 को प्रातः 11.00 बजे, कृषि अनुसंधान केंद्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अतः इच्छुक क्रेता समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग लें। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रु. 12,000/- नगद जमा करवानी होगी साथ ही बोली दाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तों की सहमति रु. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा एक ब्लैक चेक (खाली चेक) धरोहर राशि के साथ जमा करावें। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति के नाम होगी उसे बोली की राशि को आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा करवाने के पश्चात ही बगीचों में प्रवेश बांझ होगा। नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एवं बगीचों के अवलोकन हेतु कार्यालय समय (प्रातः 07.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक) में सम्पर्क कर सकते हैं।  
संभागीय निदेशक अनुसंधान